

सम्पादकीय
अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल के बीच फुटबाल के महाकुम्भ का आगाज
ऐसे वक़्त पर जब पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान में भंयकर युद्ध छिड़ा हुआ है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। जब सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल हो रही है उसी समय खेल प्रेमियों के लिए जबरदस्त राहत का आयोजन हो रहा है। मैं विश्व कप पुटबाल 2026 की बात कर रहा हूँ। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा पुटबाल विश्व कप चल रहा है। फीफा विश्व कप 2026 के पहले उद्घाटन समारोह ने बृहस्पतिवार को एस्टाडियो एंजेटो स्टेडियम में 85000 दर्शकों के सामने अनुत्ा रंग बरपा दिया। इस बार तीन उद्घाटन समारोह हुए हैं जिनमें दो समारोह शुक्रवार को कनाडा के टोरंटो और अमेरिका के लॉस एंजिल्स में आयोजित हुए। 39 दिन तक चलने वाले इस सबसे लंबे प्रख्यात महावुंभ में रिकार्ड मैचों के साथ रिकार्ड दर्शकों के आने से पुटबाल की शीर्ष संस्था को वित्तीय रूप से भारी मुनाफा होने वाला है। फीफा की कमाई कई तरीकों से होगी जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा प्रसारण अधिकारों का होगा। इसके अलावा प्रायोजन, टिकटों की बिक्री, आतिथ्य सत्कार, पर्यटन आदि से भारी कमाई होगी। इस बार 48 टीमों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने से भी कमाई उम्मीद से ज्यादा हो सकती है और यह आंकड़ा 76 हजार करोड़ रुपए (8.9 अरब डॉलर) से भी ज्यादा पहुंच सकता है। असल में 104 मुकाबले तीन देशों के 16 शहरों में होने से कमाई में कई तरह की बढ़ोतरी होगी। बता दें कि तीन बार विश्व कप की मेजबानी करने वाला मैक्सिको दुनिया का पहला देश है। मैक्सिको ने अपने यहां हुए उद्घाटन में अपनी देसी संस्कृति की झलक दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। फीफा ने इस समारोह के लिए दुनिया भर से कलाकार बुलाए थे, लेकिन असली समां शकीरा के दाईं-दाईं गाने से बांधा, जिस पर दर्शक झूम उठे। सवाल यह भी है कि क्या यह खेल की उस शक्ति को साबित कर पाएगा, जो मतभेदों के बीच संवाद व तनावों के बीच उम्मीद की गुआंश पैश करती है? पुटबाल विश्व कप का इतिहास देखें तो उम्मीद की जा सकती है। बता दें कि इटली के डिक्टेटर मुसोलिनी के शासन के दौरान 1934 में इटली में हुआ विश्वकप हो या फिर 1938 की प्रतिस्पर्धा, जब जर्मनी, आस्ट्रिया पर कब्जा कर चुका था, इस खेल ने दर्द से कराहते देशों को जरूर कुछ राहत तो दी थी। हिटलर ने भी विश्वकप हाकी का आयोजन किया था जिसमें भारत के मेजर ध्यानचंद सबसे बड़े सितारे के रूप में उभरे थे। दिलचस्प यह है कि ईरान की टीम को भी मेजबान अमेरिका में खेलने का मौका मिलेगा। हालांकि ईरान को वीजा देने में भी विवाद हुआ। उल्लेखनीय है कि ईरानी खिलाड़ी जब मैक्सिको पहुंचे तो उन्होंने वह प्रतीक चिह्न पहना था जो मिनाब के बच्चियों के स्कुल पर अमेरिका ने मिसाइल मारा था और 138 छोटी बच्चियां शहीद हो गईं थीं। अपेक्षा की जाती है कि इस आयोजन से देशों में प्रेम व एक-दूसरे का सम्मान बढ़ेगा, भाई चारा बढ़ेगा और दुनिया में अशांति के माहौल में कमी आएगी।

अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों की मौत पर घिरी सरकार, उधर ट्रंप से पीएम मोदी की होनी है मुलाकात, क्या-क्या होगा ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 17 जून को जी-7 शिखर सम्मेलन पर होाना प्रस्तावित मुलाकात के दौरान। ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले में तीन भारतीयों की मौत के बाद विपक्ष सरकार पर अमेरिका से जवाब मांगने का दबाव बना रहा है। ऐसे में यह मुलाकात काफी अहम होने वाली है।

(जीएनएस)। नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात 17 जून को फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर होने जा रही है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब हाल में ही ओमान की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। इस मामले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के समक्ष अपना विरोध जताया लेकिन वाशिंगटन की ओर से भारतीय नागरिकों की मौत पर कोई खेद प्रकट नहीं किया गया है। वहीं इस मुद्दे पर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है।

विपक्षी दलों का कहना है कि भारतीय नागरिकों की जान जाने का

मामला बेहद गंभीर है और भारत सरकार को अमेरिका से स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। कांग्रेस सहित कई दलों ने सवाल उठाया है कि सरकार ने अब तक इस मामले में अपेक्षित अधिकारियों को उम्मीद नहीं है कि समिट के दौरान कोई फाइनल समझौता हो पाएगा। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप 17 जून

सख्ती क्यों नहीं दिखाई। विपक्ष का आरोप है कि यदि किसी अन्य देश की कार्रवाई में भारतीय नागरिकों की मौत होती, तो सरकार का रुख कहीं अधिक कड़ा होता।

व्हाइट हाउस ने इस मुलाकात पर क्या कहा ?

व्हाइट हाउस द्वारा शनिवार को जारी किए गए बयान के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते फ्रांस में होने वाले जी७ समिट के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दुनिया के दूसरे नेताओं से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत में हुए विकास की

लक्ष्य के मुकाबले 10 फीसदी रफ्तार, 31 मार्च तक ऐसे कैसे एलपीजी मुक्त होगा लखनऊ (जीएनएस)। आसानी ने राजधानी में पीएनजी कनेक्शन की रफ्तार कम कर दी है। नतीजा यह कि अगले नौ महीने में यानी 31 मार्च 2027 तक लखनऊ को एलपीजी मुक्त करने का लक्ष्य फिलहाल दूर की कौड़ी नजर आ रहा है। क्योंकि, हर दिन तय लक्ष्य 1200 कनेक्शन के मुकाबले सिर्फ 150 कनेक्शन तक ही हो पा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय गैस संकट के बीच सरकार जनता में पीएनजी (पाइप नैचुरल गैस) को अपनाने पर जोर दे रही है। लखनऊ में हर दिन 1200 कनेक्शन के लक्ष्य के साथ 31 मार्च 2027 तक 3.60 लाख नए पीएनजी

घर, ऑफिस, स्कूल, सब 20 मिनट की दूरी पर होंगे, 44776 करोड़ का प्लान तैयार, बदलेगा लखनऊ का नक्शा

(जीएनएस)। लखनऊ: राजधानी को 2051 तक देश के टॉप शहरों में शामिल करने का ब्लू प्रिंट तैयार हो गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने ' लखन लखनऊ 2051 मास्टर प्लान ' तैयार कर शासन को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। 44,776 करोड़ के इस मेगा प्लान में लखनऊ का दायरा बाराबंकी, उन्नाव और रायबरेली तक बढ़ेगा, जिसे स्टेट कैपिटल रौजन (एससीआर) नाम दिया जाएगा। इस प्लान में सबसे ज्यादा जोर सड़कों पर है, जहां कुल बजट का 65 फीसदी हिस्सा यानी 28,879 करोड़ रुपये सिर्फ रोड और ट्रांसपोर्ट पर खर्च होगा। इस मास्टर प्लान को जमीन पर उतारने के बाद रिंग रोड से बाराबंकी से उन्नाव की दूरी महज 30 मिनट में पूरी की जा सकेगी। खास बात यह है कि पूरे शहर में '20 मिनट नेबरहुड' के लिए खुशखबरी

सीजी सिटी के पास 800 एकड़ में क्ल स़िटी का विस्तार होगा। कानपुर रोड पर बॉर्डर के पास 500 एकड़ में लॉजिस्टिक हब और फ्रेंट कॉरिडोर बनेगा। नया फाइनेंशल डिस्ट्रिक्ट भी प्लान में है। एलडीए के अफसरों का दावा है कि इन प्रॉजेक्ट से 2 लाख सीधी और 5 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां निकलेगी। उन्नाव-कानपुर की इंडस्ट्रियल कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

समीक्षा करने की उम्मीद है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौता शापद दोनों नेताओं के बीच बातचीत में खास तौर पर शामिल होगा। हालांकि,

अधिकारियों को उम्मीद नहीं है कि समिट के दौरान कोई फाइनल समझौता हो पाएगा। अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप 17 जून को पीएम मोदी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसके बाद वे जी७ नेताओं, सहयोगी भागीदारों और तकनीकी अधिकारियों के साथ एक वर्किंग लंच में शामिल होंगे। वहीं दूसरी ओर मोदी और ट्रंप की इस मुलाकात को लेकर अभी तक भारत की ओर से कोई भी स्पष्ट जवाब नहीं आया है।

किन मुद्दों पर हो सकती है चर्चा मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी-ट्रंप मुलाकात में व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक सुरक्षा जैसे मुद्दों के साथ ओमान की खाड़ी की घटना भी चर्चा का अहम विषय बन सकती है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के सामने चुनौती होगी कि वे भारत-अमेरिका

कनेक्शन करने हैं। अगर कंपनी तय लक्ष्य भी हासिल करे तो अब तक के लाख कुल कनेक्शन तक ही पहुंच पाएगी। उधर, एलपीजी मुक्त लखनऊ



कुल 84 हजार कनेक्शनों की संख्या के साथ 31 मार्च तक यह संख्या 4.5

स्कूल, अस्पताल सब 20 मिनट की दूरी पर होंगे। **रिंग रोड नई लाइफलाइन** 104 किमी लंबा आउटर रिंग रोड अब ग्रोथ कॉरिडोर बनेगा। मोहान रोड, सुलतानपुर रोड, रायबरेली रोड और हरदोई रोड पर रिंग रोड के किनारे 10 हजार हेक्टेअर में 4 नए टाउनशिप बसेंगे। एहर से लक्कृतक 5 लाख नए मकान बनेंगे।

युवाओं के लिए खुशखबरी सीजी सिटी के पास 800 एकड़ में क्ल सिटी का विस्तार होगा। कानपुर रोड पर बॉर्डर के पास 500 एकड़ में लॉजिस्टिक हब और फ्रेंट कॉरिडोर बनेगा। नया फाइनेंशल डिस्ट्रिक्ट भी प्लान में है। एलडीए के अफसरों का दावा है कि इन प्रॉजेक्ट से 2 लाख सीधी और 5 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां निकलेगी। उन्नाव-कानपुर की इंडस्ट्रियल कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

संबंधों को मजबूत बनाए रखते हुए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर देश की भावनाओं का भी प्रतिनिधित्व करें। सरकार पर दबाव बना रहा **विपक्ष** विपक्ष इस मुलाकात को सरकार की कूटनीतिक परीक्षा के रूप में देख रहा है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों के मुद्दे को राष्ट्रपति ट्रंप के सामने प्रमुखता से उठाते हैं या नहीं। यह मुलाकात केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से ही नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस बीच कांग्रेस ने मांग की है कि मोदी सरकार संसद में पूरी जानकारी दे और सुनिश्चित करे कि भारत की संप्रभुता और किसानों-उद्योगों के हितों की रक्षा हो। जाने-माने भू-राजनीतिक विशेषज्ञ और लेखक ब्रह्मा चेलानी ने हाल में ही सोशल मीडिया पर कहा, मोदी-ट्रंप की दोस्ती महंगी पड़ रही है। ओमान जैसे स्थिर सहयोगी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए बिना अमेरिका पर अंधाधुंध निर्भरता भारत की विदेश नीति को कमजोर कर रही है।

लाख कुल कनेक्शन तक ही पहुंच पाएगी। उधर, एलपीजी मुक्त लखनऊ

यह और भी मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि, लखनऊ में ही 15 लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक जहां पीएनजी नेटवर्क नहीं है, वहां तक लाइन पहुंचाने में काफी समय लगेगा। अभी जहां पाइपलाइन है, वहां भी सब कहीं कनेक्शन नहीं पहुंच पाए हैं। लिहाजा, एलपीजी मुक्त लखनऊ का लक्ष्य अभी दूर की कौड़ी ही नजर आ रहा है।

एलपीजी की आसान उपलब्धता ने बढ़ाई चुनौती

पीएनजी कनेक्शन के लिए कंपनियां अपार्टमेंट, सोसायटी में कैप

भी लगा रही हैं, लेकिन अब इन कैपों

कैसे होगा 2051 का लखनऊ 4 नई टाउनशिप रिंग रोड के किनारे बसाई जाएंगी बाराबंकी, उन्नाव और रायबरेली कितना खर्च हो सकता है



तक बढ़ेगा लखनऊ का दायरा 7 लाख रोजगार के दरवाजे क्ल सिटी-2 से खुलेंगे 28.17 लाख से बढ़कर 57.65 लाख होगी आबादी 350 वर्ग किमी से बढ़कर 980 वर्ग किमी का होगा इलाका **कब शुरू होगा काम** एलडीए के मुताबिक सीएम के समक्ष 2051 विजन प्लान रखा जाएगा। मंजूरी के बाद डीपीआर बनेगी। पीपीपी मॉडल और केंद्र की अमृत योजना, स्मार्ट सिटी स्कीम से पैसा आएगा। 2026-2030 तक शॉर्ट

टर्म, 2031-2040 तक मीडियम टर्म और 2041-2051 में लॉन्ग टर्म के काम होंगे। कितना खर्च हो सकता है

सड़क-ट्रांसपोर्ट में 65 फीसदी यानी 28,879 करोड़ सीवर-सफाई में 14.50 फीसदी यानी 6,495 करोड़ पानी के लिए 9 फीसदी यानी 4,048 करोड़ स्लम सुधार के लिए 6.70 फीसदी यानी 2,986 करोड़ पर्यावरण के लिए 2.30 फीसदी यानी 1,015 करोड़ हेरिटेज-टूरिजम के लिए 0.64 फीसदी यानी 286 करोड़ विरासत को संवराने पर 640 करोड़

आज पहुंचेंगी भारत व अफगानिस्तान की टीमें, 17 जून को मुकाबले में दिग्गज रोहित शर्मा पर रहेंगी निगाहें

(जीएनएस)।

लखनऊ, मुकाबले में विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। इसमें दिग्गज भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, केएल राहुल और अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को होने वाले दूसरे वनडे मुकाबले के लिए भारत और अफगानिस्तान की टीमें सोमवार को लखनऊ पहुंच जाएंगी। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को एक एक करके दोनों टीमें अभ्यास

करके अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देंगी।



अफगानिस्तान के खिलाड़ी दोपहर डेढ़ से चार बजे और भारतीय टीम के खिलाड़ी शाम चार से सात बजे तक

थप्पड़कांड के बाद अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन में ही किया बड़ा ऐलान, बताया कॉकरोच जनता पार्टी का क्या है अगला मिशन

(जीएनएस)।

राजस्थान की राजधानी जयपुर का शहीद स्मारक सोमवार (15 जून) को

अचानक एक बड़े सियासी अखाड़े में तब्दील हो गया। नीट (NEET) पेपर लीक, बेरोजगारी और बढ़हाल शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंचे 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके को भीड़ के बीच कुछ युवकों ने सरेंआम थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के बाद वहां ऐसा बवाल मचा कि पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए।

लेकिन इस थप्पड़कांड ने आंदोलन की आग को बुझाने के बजाय और भड़का दिया है। थप्पड़ खाने के तुरंत बाद अभिजीत दीपके ने मंच संभाला और सीधे देश की राजधानी दिल्ली को लेकर एक ऐसा बड़ा एलान कर दिया, जिसने सरकार की टेंशन बढ़ा दी है।

सरेंआम हुए इस हमले के बावजूद अभिजीत दीपके के तेवर ढीले नहीं पड़े। उन्होंने मंच से जनता को संबोधित करते हुए कहा, "हम पर चाहे एक बार हमला हो या दस बार, हमारे गाल पर कोई एक थप्पड़ मारे

या दस, हम हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं देंगे। कायर लोग हिंसा का सहारा लेते हैं, लेकिन हम चुप नहीं बैठेंगे।" दीपके ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सरकार को खुली चुनौती दी और अपनी पार्टी का अगला मिशन बताते हुए 'दिल्ली चलो' का नारा बुलंद किया। उन्होंने ऐलान किया कि 20 जून को देश भर के युवा फिर से दिल्ली कूच करेंगे और इस बार जब तक केंद्रीय शिक्षा

मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के दिल्लीफा नहीं हो जाता, वे इस्तीफा नहीं दे पाएंगे। दीपके ने वापस नहीं लौटेंगे। दीपके ने कहा कि यह सब उन्हें डराने और छात्रों की खुदकुशी व पेपर लीक के मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की साजिश है, लेकिन वे भटकने वाले नहीं हैं। उन्होंने नफरत फैलाने वालों को तंज कसते हुए 'गेट वेल सून' भी कहा।

यानी कॉकरोच जनता पार्टी का अब अगला मिशन दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करना है। हालांकि ये विरोध प्रदर्शन 20 जून को जंतर-मंतर होगा या कहीं और फिलहाल इसका

में लोगों का रुझान खत्म होता जा रहा है। अफसरों का कहना है कि तमाम कोशिशों के बावजूद न नए ग्राहक ही बढ़ रहे हैं, और न ही कोई क्वेरी आ रही है। ऐसे में वह तय किए गए लक्ष्य के मुकाबले कनेक्शन ही नहीं कर पा रहे हैं।

आगरा को भी एलपीजी मुक्त करने की तैयारी

ग्रीन गैस लिमिटेड के अफसरों ने बताया कि सरकार ने भी बड़े शहरों को एलपीजी मुक्त महानगर बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए लखनऊ को हर दिन 1200 तो आगरा को 400 कनेक्शन करने हैं, जिससे कि 31 मार्च 2027 तक दोनों महानगर एलपीजी मुक्त घोषित किए जा सकें।

हुसैनाबाद हेरिटेज जोन और कैसरबाग को संवराने पर 640 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सतखंडा, क्लॉक टावर, छोटा इमामबाड़ा, सफेद बाराद`री को टूरिजम सर्किट से जोड़ा जाएगा। कैसरबाग से सरकारी दफ्तर शिफ्ट होने के बाद पुरानी बिल्डिंगों की 146 एकड़ का नए सिरे से इस्तेमाल होगा। कैसरबाग को नो-वीकल जोन बनाने का प्लान है।

स्लम फ्री किए जाने का दावा विजन में सभी के लिए किफायती टारगेट है। स्लम सुधार पर 2.986 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लोगों को 1.50 किमी के दायरे में ही बसाया जाएगा, ताकि रोजगार न छूटे। हर नई हाउसिंग स्कीम में पानी बिजली-सीवर पहले से देना जरूरी होगा। **हमें क्या मिलेगा ?** आसान सफा: रिंग रोड से बाराबंकी-उन्नाव पहुंचने में सिर्फ 30 मिनट लगेंगे। 6 नए बस अड्डे, मेट्रो फीडर बसे चलेंगी। सरते मकान: कार्यस्थलों के पास 5 लाख नए मकान। किराए के मकान का भी विकल्प बेहतर इलाज: वर्ल्ड क्लास मेडिसिटी, बुजुर्गों के लिए स्पेशल सेटर

साफ शहर: जीरो वेस्ट का लक्ष्य, सोलर एनर्जी पर जोर **8 बड़े वादे** कनेक्टिविटी: बाराबंकी-उन्नाव तक फोरलेन पहुंच रहना-खेलाना: ओपन कम्युनिटी स्पेस होंगे उद्योग: डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल जोन हेरिटेज: 276 एकड़ क्षेत्र, नया टूरिजम सर्किट मकान: कार्यस्थलो के पास 5 लाख नए घर ट्रैफिक: मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट और पैदल चलने को बढ़ावा सरकारी काम: नया प्रशासनिक परिसर बिजली-पानी: सोलर प्लांट, आपदारोधी इमारतें 'सिर्फ' बिल्डिंग नहीं, बेहतर जिंदगी का प्लान है'

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने कहा, "हम राजधानी को रहने और काम करने के लिए देश का नंबर-1 शहर बनाना चाहते हैं। रिंग रोड से सिर्फ लखनऊ नहीं, बाराबंकी-उन्नाव के लोगों की भी जिंदगी बदलेगी। नए रोजगार, बेहतर कनेक्टिविटी और साफ-सुथरा शहर हमारा लक्ष्य है।'

लेकिन, लखनऊ में हर रोज 150 तो आगरा में 60-70 कनेक्शन ही हो पा रहे हैं।

लखनऊ में करीब 8000 कनेक्शन, आगरा में 2500 क्क जनवरी से अब तक लखनऊ में 8000 तो आगरा में 2500 के करीब पीएनजी कनेक्शन हुए हैं। इसमें भी पिछले तीन महीने के अंदर ही लखनऊ में करीब 5500 कनेक्शन किए गए हैं, जबकि औद्योगिक निकायों में 20 कनेक्शन किए गए हैं। अपार्टमेंट व सोसायटीज के नए लोगों में रुझान नहीं दिख रहा है। कैप में भी लोग कम आ रहे हैं।क ऋवीण सिंह, डीजीएम, मार्केटिंग, ग्रीन गैस लिमिटेडक

साफ शहर: जीरो वेस्ट का लक्ष्य, सोलर एनर्जी पर जोर

8 बड़े वादे कनेक्टिविटी: बाराबंकी-उन्नाव तक फोरलेन पहुंच रहना-खेलाना: ओपन कम्युनिटी स्पेस होंगे उद्योग: डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल जोन हेरिटेज: 276 एकड़ क्षेत्र, नया टूरिजम सर्किट मकान: कार्यस्थलो के पास 5 लाख नए घर ट्रैफिक: मल्टीमोड ट्रांसपोर्ट और पैदल चलने को बढ़ावा सरकारी काम: नया प्रशासनिक परिसर बिजली-पानी: सोलर प्लांट, आपदारोधी इमारतें 'सिर्फ' बिल्डिंग नहीं, बेहतर जिंदगी का प्लान है'

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने कहा, "हम राजधानी को रहने और काम करने के लिए देश का नंबर-1 शहर बनाना चाहते हैं। रिंग रोड से सिर्फ लखनऊ नहीं, बाराबंकी-उन्नाव के लोगों की भी जिंदगी बदलेगी। नए रोजगार, बेहतर कनेक्टिविटी और साफ-सुथरा शहर हमारा लक्ष्य है।'

अलावा भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, केएल राहुल और अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। गौरतलब है कि सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने सात विकेट से आसान जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी।

ऐसे में टीम की नजरें लखनऊ में जीत के साथ सीरीज पर कब्जा करने पर होंगी। मुकाबले में पदार्पण करने वाले हर्ष दुबे और गुरनुर बवार ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 84 रन बनाकर टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई।

इस हरकत को देख दीपके के समर्थक भड़क गए और उन्होंने भाग रहे दो हमलावरों को दबोचकर उनकी जमकर धुनाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों को अलग किया। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए थप्पड़ मारने वाले मुख्य आरोपी राकेश गुर्जर, रोहित वैष्णव, अर्जुन पंडित और अजय समेत कुल 6 युवकों को हिरासत में ले लिया है और उन्हें विधायकपुरी थाने ले जाकर पूछताछ कर रही है।

हमलावर ने बताया क्यों मारा **अभिजीत दीपके को थप्पड़ ?** इस घटना के बाद पुलिस की गिरफ्त में आए मुख्य आरोपी राकेश गुर्जर ने अपनी हरकत को सही ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए। राकेश गुर्जर ने मीडिया से कहा, "मैं जयपुर का ही रहने वाला हूं और एक राष्ट्रवादी हूं। ये अभिजीत दीपके और इसके साथी जिहादी मानसिकता के लोग हैं। ये लोग बिना किसी वजह के सिर्फ पेपर लोक को बहाना बनाकर पूरे देश के युवाओं को बरगला रहे हैं और देश का माहौल खराब कर रहे हैं।"

'60 हजार साल तक नरक का कीड़ा': अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी, कांग्रेस ने होर्डिंग लगाकर बताई सजा

(जीएनएस)। अयोध्या: उत्तर प्रदेश का अयोध्या शहर पहले राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के लिए दुनिया भर में चर्चित हुआ और बाद में भव्य राम मंदिर के निर्माण को लेकर पूरी दुनिया में सुर्खियों में रहा। अब यह शहर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में आने वाले चढ़ावे, यानी दान राशि की चोरी के आरोप को लेकर सुर्खियों में है। सिर्फ इतना ही नहीं, अब मंदिर में दान राशि की चोरी का मुद्दा यूपी की राजनीति के केंद्र में भी आ चुका है। समाजवादी पार्टी के बाद कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को हथियार बनाकर बीजेपी के खिलाफ इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस ने अयोध्या में बड़े-बड़े होर्डिंग लगा दिए हैं जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। सपा ने चढ़ावे की चोरी का मामला सुलगाया

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी-मार्च में होने की संभावना है। इससे पहले समाजवादी पार्टी ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मामला सुलगा दिया है। सपा के बाद विपक्ष के इंडिया गठबंधन में उसकी सहयोगी पार्टी



कांग्रेस भी चढ़ावे की चोरी के मुद्दे को लेकर मैदान में उतर चुकी है। चूंकि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का श्रेय बीजेपी ने लिया तो अब मंदिर में चोरी के मामले में भी बीजेपी ही विपक्ष के निशाने पर है।

व्या लिखा है स्कंद पुराण में?

कांग्रेस ने अयोध्या में बड़े-बड़े होर्डिंग लगवा दिए हैं। इन पर स्कन्द पुराण का एक श्लोक और उसका अर्थ लिखा गया है। इस श्लोक में मंदिर की धन-सम्पत्ति चुराने वालों को जन्म-जन्मांतर तक चलने वाली सजा का उल्लेख है। स्कन्द पुराण का श्लोक है- 'स्वदत्तं परदत्तं वा यो हरेत वसुधरां,

षष्टिवर्षसहस्राणि विष्टायां जायते कृमिः।' इसका अर्थ है, 'जो व्यक्ति मंदिर को दी गई भूमि या संपत्ति (दान का धन) को चुराता है या हड़प लेता है, वह अगले 60 हजार वर्षों तक नरक में कीड़े के रूप में जन्म लेता है।'

करीब 200 करोड़ की दान राशि की चोरी का आरोप

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावे की चोरी का आरोप लगाया गया है। मंदिर से करीब 200 करोड़ रुपये की दान राशि की चोरी का आरोप है। बताया जाता है कि मंदिर के चढ़ावे की राशि की गणना एक गुप्त कमरे में 50 कर्मचारी

करते हैं। इनमें से 24 कर्मचारी नोट गिनकर उनके बंडल बनाते हैं। मंदिर के ट्रस्ट ने एक प्राइवेट एजेंसी के जरिए इन कर्मचारियों को रखा है। ट्रस्ट के कुल 12 कर्मचारी नोट गिनने वाले 24 कर्मचारियों पर नजर रखते हैं। इसके अलावा 14 कर्मचारी ऐसे हैं जो स्टेट बैंक के कर्मचारी हैं या टीसीएस की ऑडिट टीम के सदस्य हैं। अब यह सभी 50 कर्मचारी और उनको नियुक्त करने वाले ट्रस्ट के लोग संदेह के घेर में हैं। उनकी जांच की जा रही है। मंदिर ट्रस्ट के एक पूर्व कर्मचारी ने इस चोरी का खुलासा किया था।

श्रीराम मंदिर में दान राशि की चोरी के मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। हालांकि विधानसभा चुनाव से पहले इस मामले ने यूपी का राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। पहले जहां बीजेपी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का श्रेय लेते हुए चुनावों में प्रचार करती रही वहीं अब राम मंदिर की दान राशि की चोरी के मुद्दे को लेकर वह खुद विपक्ष के निशाने पर आ गई है।

अयोध्या में विवाहिता की मौत मामले में 5 पर एफआईआर: आरोपियों में पति भी शामिल,चार साल पहले हुई थी शादी



(जीएनएस)। अयोध्या जिले के खण्डासा थाना क्षेत्र स्थित इछौई गांव में विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने पति समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। विवाहिता का शव कुछ दिन पहले घर के अंदर फंदे से लटका मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग

देवर आशुतोष पाण्डेय के खिलाफ दहेज हत्या समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

कार और अतिरिक्त दहेज की थी मांग

मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज और चार पहिया वाहन की मांग करने लगा था। मांग पूरी न होने पर उनकी बेटी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि सास मंजू अक्सर कीर्ति को घर की नौकरानी कहकर अपमानित करती थी और दहेज न मिलने पर जान से मारने की धमकियां भी दी जाती थीं। परिवार की ओर से कई बार समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं बदला। देवर ने फोन कर दी थी मौत की सूचना

पीड़ित पिता के मुताबिक, वीते शुक्रवार को देवर आशुतोष पाण्डेय ने फोन कर बताया कि कीर्ति ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने पर जब वे ससुराल पहुंचे तो बेटी का शव बिस्तर पर रखा हुआ मिला।

2022 में हुई थी शादी, डेढ़ साल का बेटा

प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि कीर्ति की शादी 11 फरवरी 2022 को अंबुज पाण्डेय के साथ हुई थी। दंपती का एक वर्ष 11 माह का पुत्र है, जो फिलहाल अपने दादा-दादी के पास रह रहा है। मृतका का पति मेडिकल स्टोर संचालित करता है।

पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सीतापुर में 'खेत बचाओ अभियान' शुरू:वैज्ञानिक तकनीक से घटेगी लागत, बढ़ेगी उत्पादकता

(जीएनएस)। अशरफपुर (सिधौली), सीतापुर सीतापुर में कृषि विज्ञान केंद्र कटिया और कृषि विभाग ने सोमवार को संयुक्त रूप से 'विकसित कृषि संकल्प अभियान 2026' और 'खेत बचाओ अभियान' के तहत कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। ये कार्यक्रम मिश्रिख, रामपुर मथुरा और खैराबाद विकास खंडों के गांवों में हुए। अभियान का मुख्य उद्देश्य मृदा, जल और जैव विविधता का संरक्षण कर खेती को टिकाऊ बनाना है।

मिश्रिख में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दयाशंकर श्रीवास्तव ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी ही समृद्ध किसान का आधार है और संतुलित उर्वरक उपयोग, एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन तथा फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जोर दिया। एडीओ कृषि जय प्रकाश ने

रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की घटती गुणवत्ता पर



चिंता व्यक्त की। पीपीएस रोवित कुमार ने किसानों को जैविक और यांत्रिक कीट नियंत्रण विधियों को अपनाने की सलाह दी।

खैराबाद के खूपूरा और रहीमाबाद

गांवों में आईसीएआर-सीएसएसआरआई लखनऊ के प्रधान

पर बल दिया।

गृह वैज्ञानिक डॉ. रीमा ने फसल अवशेष जलाने और असंतुलित उर्वरक प्रयोग से खेतों की उत्पादकता में कमी आने की चेतावनी दी। एटीएम सूरजभान सिंह ने किसानों को मेड़ों पर फलदार वृक्ष लगाने की सलाह दी, जिससे मृदा संरक्षण के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो सकेगी।

प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सभी विशेषज्ञों ने स्वस्थ मिट्टी, स्वच्छ जल और जैव विविधता को कृषि की स्थायी समृद्धि का आधार बताया। किसानों ने वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया।

इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष किसान, ग्राम प्रधान और कृषि अधिकारी उपस्थित रहे। कृषि विज्ञान केंद्र लगातार यह संदेश दे रहा है कि खेतों की सुरक्षा ही किसानों की समृद्धि और कृषि के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है।

वैज्ञानिक डॉ. अनूप कुमार दीक्षित ने टिकाऊ कृषि के लिए मिट्टी-पानी के वैज्ञानिक प्रबंधन को आवश्यक बताया। उन्होंने वर्षा जल संचयन और जैविक पदार्थों के उपयोग को बढ़ाने



जनकपुर-अयोध्या सेक्शन पर यात्री ट्रेन सेवाओं को शुरू करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेंटिंग प्रोसीजर पर भी

चर्चा की।

रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन पर बातचीत

इन प्रोजेक्ट्स के अलावा, दोनों पक्षों ने प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू इन्टरेल लिंक की फाइनल लोकेशन सर्वे (FLS) रिपोर्ट, नेपाल के ईस्ट-वेस्ट रेलवे प्रोजेक्ट के लिए सहायता और कृषि अधिकारी उपस्थित रहे।

जनकपुर-अयोध्या सेक्शन पर यात्री ट्रेन सेवाओं को शुरू करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेंटिंग प्रोसीजर पर भी

अनुसंधान को मजबूत करने के लिए इरिटम व आईआईएम के बीच एमओयू

(जीएनएस)।

लखनऊ। अनुसंधान को मजबूत करने के साथ गुणवत्ता, क्षमता व शैक्षणिक सहभागिता में वृद्धि के लिए भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान (इरिटम) व भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के बीच सोमवार को एमओयू हुआ। यह पहल विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप क्षमता निर्माण को मजबूत करने में सहायक होगी।

प्रोफेसर कृष्णा ने बताया कि यह समझौता इरिटम के अभिव्यक्ति सभागार में आयोजित एक समारोह में हुआ। इरिटम महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर और आईआईएम के निदेशक एमपी गुप्ता ने इस पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही इरिटम के पढ़ाई कर रहे अधिकारियों ने भी इसमें हिस्सा लिया। रेल के चयनित

सेवारत अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार प्रबंधन कार्यक्रमों में

संसाधनों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। भविष्य में उत्कृष्टता केंद्र की



सहभागिता का मंच प्रदान करता है। अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक प्रबंधन विकास कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त यह समझौता पारस्परिक हित की परियोजनाओं और ज्ञान

स्थापना और अन्य शैक्षणिक पहलों के माध्यम से भी सहयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर ने समझौते को रेलवे अधिकारियों की प्रबंधकीय व नेतृत्व

क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग मूल्यवान शिक्षण अवसरों का सृजन करेगा। यह परिवहन व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए भविष्य के नेतृत्वकताओं के विकास में सहायक सिद्ध होगा। आईआईएम के एमपी गुप्ता ने नेतृत्व विकास व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक संगठनों के बीच सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए सतत अधिगम, रणनीतिक सोच और व्यावसायिक उत्कृष्टता को अपने कार्यजीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। यह समझौता प्रारंभिक रूप से पांच वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। इसके माध्यम से प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विविध पहलों को बढ़ावा मिलेगा।

लखनऊ से कासगंज के जा रही पैसेंजर ट्रेन के इंजन में फंसा मोर, 26 मिनट खड़ी रही ट्रेन

(जीएनएस)।

चौबेपुर (कानपुर)। शिवराजपुर के बरगंजपुर रेलवे स्टेशन से कुछ आगे निकलते ही सोमवार की सुबह लखनऊ से कासगंज जा रही पैसेंजर ट्रेन के इंजन के ऊपर लगे बिजली के पेंटो से टकराने से ट्रेन को 26 मिनट रोकना पड़ा। बाद में इंजीनियरों ने पहुंच कर मृत मोर को इंजन से बाहर निकाल कर ट्रेन को रवाना किया।

लखनऊ से कासगंज के लिए शिवराजपुर के बरगंजपुर रेलवे स्टेशन से एक किमी आगे ट्रेन के इंजन के ऊपर

लगे बिजली के पेंटो से राष्ट्रीय पक्षी मोर टकरा कर फंस गया। इस दौरान इंजन का बिजली से संचार रूकने के कारण चालक ने ट्रेन को खड़ी कर सेक्शन टीम को सूचना दी।

कुछ देर बाद पहुंची एआरटी टीम ने मृत मोर को बाहर निकाल कर इंजन को चालू किया। जीआरपी ने मृत मोर को राष्ट्रीय सम्मान के साथ स्टेशन अधीक्षक को अंतिम संस्कार के लिए सौंपा है। बाद में ट्रेन को 26 देरी से रवाना किया गया। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि इंजन के ऊपर लगे बिजली के पेंटो से



मृत मोर को बाहर निकाल कर ट्रेन को

रवाना किया गया है।

लखनऊ में परिवार पर नशे में धुत युवकों का हमला:विरोध करने पर जान से मारने की धमकी, पुलिस ने दर्ज किया केस

(जीएनएस)।

दुबगा, लखनऊ।पारा थाना क्षेत्र में एक युवती और उसके परिवार को लगातार प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने देर रात घर के बाहर हंगामा किया, गाली-गलौज की और मारपीट का प्रयास किया। विरोध करने पर उन्होंने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

हंसखेड़ा निवासी सुनीता यादव ने पारा थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 5 जून 2026 की रात करीब 1:30 बजे उदयरराज यादव उर्फ प्रियांशु, अफाक खां, कैफ खां और कुछ अन्य अज्ञात लोग एक चार पहिया वाहन से उनके घर के सामने पहुंचे। आरोप है कि सभी युवक नशे की हालत में थे और उन्होंने बिना किसी कारण परिवार के सदस्यों के

साथ गाली-गलौज शुरू कर दी तथा

मोबाइल फोन पर भी लगातार कॉल



मारपीट का प्रयास किया।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी उसके भाई अभिषेक यादव के

कर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं।

जब इस व्यवहार का विरोध किया गया, तो आरोपियों ने परिवार को

'सफाई कर्मियों की मौत का कारण अधिकारियों की नालायकी'

लखनऊ में सफाई आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने सफाई कर्मी की मां के पैर छुए, 15 साल से मुआवजा के लिए भटक रही थी

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष की बैठक । हरदीप सिंह गिल ने सफाई कर्मचारियों के कल्याण, उनके अधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण और मुआवजा की राशि दिलाने समेत विभिन्न मुद्दों पर बैठक किया जिसमें मुख्य रूप से सफाई कर्मचारियों को सेफ्टी इक्विपमेंट ना मिलने और सफाई के दौरान हो रही मौतों पर नाराजगी जताई।



मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट का पालन नहीं

हरदीप सिंह गिल ने बताया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग बंद है। हाल ही में तीन मौत हुई हैं जिसको लेकर राष्ट्रीय सफाई आयोग आज बैठक कर रहा है। इसमें जिलाधिकारी नगर , निगम के अधिकारी और सामाजिक सुरक्षा के अधिकारियों के साथ चर्चा हुई है। देखने में आ रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के

आदेशों और मैनुअल स्कैवेंजिंग 2011 का पालन नहीं हो रहा है। मैनुअल स्कैवेंजिंग करवाई जा रही है सुरक्षा इक्विपमेंट नहीं दिए जा रहे हैं जिसकी वजह से मौत हो रही है इस पर हमने जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल किए हैं। साथ ही 15 दिनों के अंदर इन्हें मुआवजा देने के लिए कहा गया है।

स्फ़्ट गाइडलाइन है की मॉनिटरिंग कमेटी की हर 3 महीने पर बैठक हो । इसके अध्यक्ष जिला अधिकारी होते हैं बैठक ही नहीं हो रही है उसमें लापरवाही बरती जा रही है। इन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों के अधिकार मुआवजा 20 दिन में देने के लिए कहा गया है अगर यह काम नहीं पूरा होता है तो जिलाधिकारी , नगर आयुक्त और कमिश्नर के खिलाफ हम

सोधे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही और नालायकी की वजह से मौतें हो रही है हादसे सामने आ रहे हैं। केंद्र सरकार की तरफ से फ्री सेफ्टी किट दी जाती है फिर भी कर्मचारियों की मौत हो रही है इससे साफ जाहिर हो रहा है कि अधिकारी कितने लापरवाह है। कैप लगाकर सफाई कर्मचारियों को उनके

अधिकारों और गाइडलाइन के प्रति जागरूक किया जाएगा।

₹30 लख का मुआवजा ₹75 हजार में निपटया

बैठक में आया एक पीड़ित परिवार फिर फूट कर रोने लगा। पीड़ित परिवार में मौजूद राहुल ने बताया कि उनके छोटे भाई रजत की मौत साल 2011 में हो गई थी। वह संविदा सफाई कर्मी था और सहारागंज में सफाई करने समय हादसे में जान चली गई। 15 साल गुजर जाने के बाद भी मुआवजे की रकम नहीं मिली। उन्होंने बताया कि 30 लख रुपए मुआवजे की कुल राशि मिलना था मगर उस समय अधिकारियों ने 75 हजार रुपए देकर ही गुमराह कर दिया।

15 साल से मुआवजा के लिए भटक रहे हैं

राहुल ने बताया कि 15 सालों से बची हुई राशि के लिए नगर निगम , जल निगम , सीएम आवास समेत तमाम ऑफिसों के चक्कर काट रहे हैं। रोते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि यह पैसा मिल जाए जिससे हम अपने बहन की शादी कर दें। भाई की भी यही इच्छ थी वह कहता था कि हम अपनी बहन की शादी धूमधाम से करेंगे। आज इस दुनिया में नहीं है तो कम से कम उसकी आखिरी इच्छ हम लोग पूरी कर दें हैं। आयोग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से मिलते समय मृतक सफाई कर्मी की मां ने उनके पैर हुए तो फौरन वह पीछे हट गए और उन्होंने सफाई

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच करने एसआईटी टीम पहुंची अयोध्या, साथ में अयोध्या के डीएम-एसएसपी



(जीएनएस)। लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर के दान पात्रों से चढ़ावा

सोमवार दोपहर में अयोध्या पहुंचे। इससे पहले इस दल के मुखिया और दो अन्य सदस्य लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले।

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच के लिए गठित एसआईटी के तीनों सदस्य सोमवार को दोपहर में राम मंदिर परिसर में पहुंचे। इनके साथ अयोध्या के ट्रस्ट के पदेन सदस्य अयोध्या के जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी भी थे। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव घोषर भी टीम के साथ परिसर में मौजूद हैं।

विशेष जांच दल की टीम मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के बाद अयोध्या पहुंची। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के बाद अयोध्या पहुंचा विशेष जांच दल किन-किन बिंदुओं पर जांच करेगी, इसका टर्म्स ऑफ रेफरेंस भी जारी किया गया।

जांच के दो प्रमुख पहलू हो सकते हैं पहला, घटना से जुड़े आपराधिक पक्ष की जांच और दूसरा भविष्य में ऐसे सुधारात्मक उपायों की पहचान, जिनसे श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक मजबूत किया जा सके।

रहीमाबाद में शराब ठेके का कचरा खेतों में पहुंचा:प्लास्टिक गिलास उड़कर फसलों में, किसानों को जुताई-बुवाई में दिक्कत

(जीएनएस)। सीतापुर के खैराबाद स्थित गुरपालिया गांव में देशी शराब ठेके के बाहर फैले कचरे से किसान परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेके से निकलने वाला प्लास्टिक कचरा और खाली पत्थे उड़कर खेतों में पहुंच रहे हैं, जिससे उनकी फसलों को नुकसान हो रहा है।

मछरेहटा-खैराबाद मार्ग पर स्थित इस ठेके के बाहर कचरे का अंबार लगा रहता है। तेज हवा चलने पर प्लास्टिक के गिलास और खाली पत्थे उड़कर पास के गन्ने के खेतों में गिर जाते हैं। इससे न केवल फसलें प्रभावित हो रही हैं, बल्कि किसानों को जुताई-बुवाई के कार्यों में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।



स्थानीय किसान शरीफ, हसमत, महेश कुमार और जब्बार ने बताया कि खेतों में फंसे प्लास्टिक के कारण मिट्टी की उर्वरता भी प्रभावित हो रही है।

निगोहां में रायबरेली से लखनऊ जा रही रोडवेज बसडिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में घुसी बस, हादसे में बाइक सवार की मौत

(जीएनएस)। निगोहां/लखनऊ। रायबरेली से लखनऊ जा रही रोडवेज बस सोमवार सुबह निगोहां में अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में घुस गई। सामने से आ रही बाइक और कार को टक्कर मारने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और बस में सवार यात्रियों में चीखपुकार मच गई। सोमवार सुबह करीब नौ बजे रायबरेली डिपो की रोडवेज बस रायबरेली से लखनऊ की ओर जा रही थी।

निगोहां के दखिना शेखपुर स्थित एक ढाबा के पास अचानक बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर तोड़ते हुए लखनऊ से रायबरेली जाने वाली लेन में पहुंच गई। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक और कार



बस की चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों वाहन अनियंत्रित हो गए। बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार और बस को भी काफी नुकसान पहुंचा। हादसे में बाइक सवार पिंटू निवासी छोट्टीखेड़ा, थाना बछरावां, जनपद रायबरेली गंभीर रूप से घायल हो गए।

मदद से अन्य बसों में सवार होकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। साथ ही, बस की टक्कर के बाद अनियंत्रित हुई स्विफ्ट डिजायर सड़क किनारे लगे हार्डटेशन लाइन के डबल पोल से जा टकराई।

गनीमत रही कि बिजली लाइन से जुड़ी कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, अन्यथा हादसा और भी गंभीर रूप ले सकता था। उधर, घटना की सूचना मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने बस, बाइक और कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए बस चालक समेत अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है।

निगोहां थाना प्रभारी अनुज तिवारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक युवक की मृत्यु हुई है, दुर्घटना के कारणों की भी जांच कर रही है।

लखनऊ में योग सप्ताह के तहत शिविर:भारत विकास परिषद ने स्वस्थ वृद्धावस्था योग पर प्रशिक्षण दिया



(जीएनएस)। लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे योग सप्ताह के तहत सोमवार को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में एक योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद की लखनऊ पूर्वी शाखा द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य विषय 'स्वस्थ वृद्धावस्था योग' था। इसमें परिषद के पदाधिकारियों, सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शिविर में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के योगाचार्य एवं आयुष चिकित्सा अधिकारी (योग), ओम नारायण अवस्थी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से बढ़ती उम्र में भी शरीर स्वस्थ, मन शांत और जीवन सक्रिय बना रहता है। योग से लाभों के बारे में जानकारी दी ओम नारायण अवस्थी ने स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए उपयोगी योग क्रियाओं और उनके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जोर दिया कि योग न केवल शारीरिक क्षमता में वृद्धि करता है, बल्कि तनाव, चिंता और कई जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव में भी सहायक है। नियमित

योगाभ्यास से व्यक्ति लंबे समय तक आत्मनिर्भर और ऊर्जावान बना रह सकता है।

भारत विकास परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि 15 से 21 जून तक चलने वाले योग सप्ताह के दौरान अवध प्रांत की विभिन्न शाखाओं में योग जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति प्रेरित करना और उन्हें

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक बनाना है।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष टी.एन. मिश्रा, सचिव सुनील कुमार पांडेय, नरेश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, सुनील सक्सेना, स्नेहा अग्रवाल, सुमन पांडेय, मंजू मिश्रा, प्रकाश श्रीवास्तव, रीना सक्सेना, सुधीर श्रीवास्तव, सीमा अग्रवाल और डॉ. सुषमा तिवारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अग्रिम भुगतान लेकर भूले, लविवि के शिक्षकों-कर्मचारियों को नोटिस

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय लेखा कार्यालय ने अग्रिम धनराशि का समायोजन न करने पर नोटिस जारी किया है। यह नोटिस विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के पदाधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को भेजा गया है।

लेखा कार्यालय ने बताया कि निर्धारित अवधि में अग्रिम राशि का हिसाब प्रस्तुत नहीं किया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में आपत्ति के बाद यह कार्रवाई की गई है। लविवि कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष और महामंत्री को भी नोटिस जारी हुआ है। इसमें कई शिक्षकों व कर्मचारियों के नाम भी सूची में शामिल हैं। लेखा अधिकारी अंतरा बनर्जी ने सभी को एक हफ्ते में हिसाब देने को कहा है। नियमों के



अनुसार, किसी भी अग्रिम का हिसाब अधिकतम तीन महीने में देना अनिवार्य होता है। यह मामले ऑडिट पैरा से जुड़े हैं, जिनकी जिम्मेदारी

गदंगी पर भड़कीं राज्यपाल, बोलीं- नॉनवेज खाना जरूरी?: लखनऊ में लोहिया संस्थान के डॉक्टरों को फटकारा, मंत्रियों से कहा- व्यवस्था देखिए

(जीएनएस)। लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया गया। समारोह में ऑनलाइन जुड़ी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एससी राय हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाली गंदगी को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने अउर अमित कुमार घोष को भी इस पर ध्यान देने को कहा।

राज्यपाल ने हॉस्टलों में सप्ताह में दो दिन नॉनवेज बनने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यह जरूरी है? उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक



और स्वास्थ्य चिकित्सा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह से कहा कि

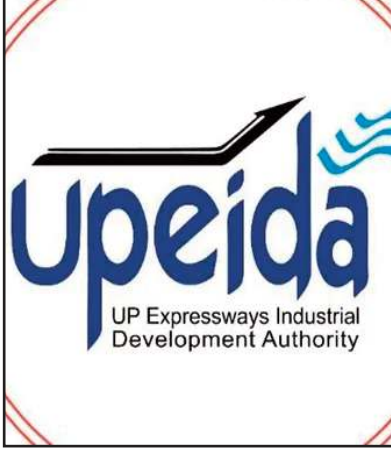
आप लोग अगले 15 दिन में संस्थान की व्यवस्था को दुरुस्त करिए। मैं 15 दिन बाद खुद मौके पर जाकर व्यवस्था को देखूंगी।

इससे पहले समारोह में मेधावियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। डायरेक्टर मेडल हरमान सिंह (टइइर 2020) को दिया गया, जबकि बेस्ट टीचर (फैकल्टी) अर्वाड डॉ. राजन भटनागर को मिला। कुल 26 मेधावी छात्रों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया, वहीं 340 सफल अभ्यर्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

एक्सप्रेसवे भूमि विवाद: किसानों ने लेखपाल पर लगाए गंभीर आरोप

(जीएनएस)। ऐरवाकटर। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहीत भूमि को लेकर नया विवाद सामने आया है। ग्राम पंचायत तुर्कपुर यासीन के कई किसानों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर राजस्व लेखपाल पर कथित रूप से विपक्षी लोगों से साठगांठ कर अवकाश दिवस में यूपीडा की भूमि की पैमाइश कराने तथा सीमांकन के लिए लगाई गई खूंटियां उखड़वाने का आरोप लगाया है। किसानों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

शिकायतकर्ता अंकित कुमार, असित कुमार, सीमा, महेशचंद्र, रामविलास, साहब सिंह एवं रामरतन सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि



वर्ष 2014 में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए उनकी कृषि भूमि का अधिग्रहण किया गया था। एक्सप्रेसवे निर्माण के बाद सर्विस रोड के किनारे स्थित कुछ भूमि

निष्प्रयोज्य अवस्था में पड़ी हुई है, जिसकी वर्तमान में बाजार कीमत काफी बढ़ चुकी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग राजस्व कर्मचारियों से मिलीभगत कर एक्सप्रेसवे निर्माण में प्रयुक्त चारागाह भूमि को अपनी भूमि बताकर उस पर दावा करने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार यूपीडा अधिकारियों द्वारा ऐसी किसी प्रक्रिया की जानकारी होने से इनकार किया गया है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रविवार को अवकाश होने के बावजूद क्षेत्रीय लेखपाल प्रमोद कुमार कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और यूपीडा द्वारा

अधिग्रहीत भूमि की पैमाइश करने लगे। किसानों का आरोप है कि इस दौरान भूमि सीमांकन के लिए लगाई गई खूंटियां भी उखड़वा दी गईं।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जब उन्होंने पैमाइश संबंधी आदेश की प्रति मांगी तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया और विरोध करने पर पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, जांच पूरी होने तक संबंधित भूमि पर किसी भी प्रकार की पैमाइश, सीमांकन अथवा आवंटन संबंधी कार्रवाई पर रोक लगाने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने थामी हॉकी स्टिक, दागे दो गोल, सांसद रवि किशन मैदान में बाल उठाकर दौड़ते दिखे

(जीएनएस)। गोरखपुर: यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीर बहादुर सिंह स्टेडियम में हॉकी स्टिक थामी और गोल पोस्ट को निशाना बनाकर 2 गोल दाग दिए। यह देख वहां उपस्थित लोगों ने जमकर तालियां बजाईं। इस बीच, सांसद रवि किशन मैदान में दौड़ते और बॉल उठाकर वापस लाते दिखे। इन दिनों मुख्यमंत्री गोरखपुर के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने करोड़ों रुपये के लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

रविवार की शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक अलग रूप में दिखे जहां उन्होंने अपने हाथों में हॉकी स्टिक थाम रखी थी। मुख्यमंत्री इन दिनों गोरखपुर के दौरे पर हैं जहां वह वीर बहादुर सिंह स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और सिंथेटिक हॉकी ट्रैक एवं पवेलियन दीर्घा का लोकार्पण किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गोरखपुर में बदलाव साफ दिख रहा है। हम आज बदलते हुए गोरखपुर को देख रहे हैं, एक वक्त वह था जब सड़क पर नौजवान संघर्ष करते थे, बेरोजगारी का आलम था, 5 से 6 घंटे ही बिजली मिल पाती थी।

हर साल इंसैफेलाइटिस से



सैकड़ों बच्चों की जान जाती थी'

सीएम ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर में भय का माहौल था। लोग घरों से बाहर निकलने से भी डरते थे। हर साल इंसैफेलाइटिस से सैकड़ों बच्चों की जान चली जाती थी। वर्षों से बंद पड़ा फर्टिलाइजर कारखाना हमें मुंह चिढ़ाता था। बेटियों के लिए माहौल बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। इस दौरान कार्यक्रम शुरू होने से पहले सीएम योगी ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ फोटो खिंचवाई और तत्पश्चात 38 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 188

परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

गोरखपुर स्पेन की तरह बदल रहा है: रवि किशन इस दौरान सांसद रवि किशन ने अपने संबोधन में कहा कि गोरखपुर को मैं यूं ही स्पेन नहीं कहता। गोरखपुर आज स्पेन की तरह बदल रहा है। और इसे पूरी तरह महाराज जी आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। महाराज जी आज 900 करोड़ रुपए की सौगात लेकर आए हैं। यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। भाजपा हर किसी को अपने सीने से लगाकर चलने वाली पार्टी

'उस विधवा के 7000 रुपये दिनदहाड़े लूट लिए, आज सिर पर नोटों की गठरी', सीएम योगी के सामने किसान ने बताया किस्सा

(जीएनएस)।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एनडीए



की सरकार आने से पहले और इसके बाद कानून व्यवस्था में क्या अंतर आया इसको स्पष्ट करने के लिए एक ग्रामीण किसान ने दो वाक्ये सुनाए। उन्होंने यह किस्सा एक संवाद कार्यक्रम में सुनाया जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे।

किसान ने यूपी में आम लोगों में कानून व्यवस्था के प्रति कितना भरोसा जगा है इसके लिए एक घटना सन 2017 के पहले की और दूसरी घटना सन 2019 की सुनाई। नोएडा के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण

की एक घटना बताता हूं। मेरा गांव जनकपुर है। गमों की दोपहर में गांव की एक 50 साल की विधवा जेवर में स्थित बैंक से 7000 रुपये पेंशन निकालकर लाई। उसके गांव में घुसते ही मोटरसाइकिल से दो बदमाश आए और उसके पैसे छीनकर चले गए। वे उसके सात हजार रुपये छीनकर चले गए।

2019 में 20-25 लाख गठरी में बांधकर चल दिए बुजुर्ग किसान ने कहा, 'अब मैं बता रहा हूं 2019 की बात। हमारे गांव में मुआवजा बंट रहा था। गांव में एक बैंक था। हमारे गांव में एक मुस्लिम हैं फतह मोहम्मद। उनकी उम्र 75 साल है। उन्होंने बैंक से 20-25 लाख रुपये निकाले। उन्हें नोटों की गई गड़ियां मिलीं। वे उन नोटों को बैंक की सीढ़ी पर बैठकर सिर में बांधने वाली तैलियां में बांध रहे थे। उन्होंने नोटों की गठरी बांध ली।' उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि क्या कर रहे हो तुम। उन्होंने गठरी को सिर पर रख लिया।